Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to grant National Status to Mangarh Dham in Banswara (Rajasthan) and its traditional Adivasi Cultural Heritage -laid

श्री कनकमल कटारा (बांसवाड़ा): मैं अपने संसदीय क्षेत्र में स्थित मानगढ़ धाम (बांसवाड़ा-राजस्थान) की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ जहाँ पर 17 नवम्बर, 1913 को जलियावाला बाग से भी बड़ा हत्याकांड हुआ था। हमारे राजस्थान के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र बांसवाड़ा-डूंगरपुर के मानगढ़ धाम पर अंग्रेजों के खिलाफ हुए संघर्ष में बलिदान देने वाले 1500 आदिवासी भाईयों एवं आदिवासी समाज में भक्ति-भाव को जगाने वाले महापुरूष गोविन्द गुरू महाराज सहित हजारों आदिवासी भाईयों को अंग्रेजों ने गोली, तोप, बन्दूकों से भून दिया था और वे सभी देश के स्वतंत्रता आन्दोलन में मारे गए थे। मानगढ़ धाम आदिवासी भाईयों एवं सभी वर्गों के लिए पवित्र स्थान है। राजस्थान एवं गुजरात प्रांत की सीमा पर आनंदपुरी पंचायत समिति जिला बांसवाड़ा के पहाड़ पर स्थित है। पिछले समय में पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्रीमती बसुन्धरा राजे जी एवं गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री ने अपनी-अपनी सीमा पर बहुत विकास किया है। 13 करोड़ रूपये से भी अधिक धनराशि के कार्य किए गए हैं। यहां सामुदायिक भवन, गोविन्द गुरू के साथ आदिवासी भाईयों को चित्रण सहित पैनारमा बनाया गया है तथा स्मारक भी है। यह पर्यटन का एक ऐतिहासिक स्थान है, प्रति वर्ष यहां पर हजारों लोग इस पवित्र भूमि के व धुणी के दर्शन करने आते हैं। यह बलिदानी भूमि है तथा यह स्थान देश के लिए गौरव है। मैं मानगढ़ धाम की पवित्र भूमि व आदिवासी परम्परागत सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय दर्जा देने के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी, जनजातीय कार्य मंत्री व संस्कृति मंत्री, भारत सरकार से मांग करता हूँ।